



**MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY
OF JOURNALISM AND COMMUNICATION**

// UNIVERSITY LIBRARY //

-. NEWS CLIPPING SERVICE -.

DATE:14 OCTOBER 2025

पुस्तक यादों का सिलसिला का विमोचन यादों के प्रभाव को और बढ़ाती है पुस्तक 'यादों का सिलसिला'

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

प्रदेश के पूर्व महानिदेशक एनके त्रिपाठी की पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का विमोचन पुलिस ऑफिसर्स मेस में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना थे। अध्यक्षता माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। विशेष अतिथि के रूप में साहित्यकार तथा राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव मौजूद रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि कैलाश मकवाना ने कहा कि 'यादों का सिलसिला' किताब सरल सहज और आत्मीय है। इसमें प्रकाशित कई संस्मरणों में संवेदनाएं भी समाहित हैं। न्याय और प्रक्रिया का द्वंद्व भी देखने को मिलता है। पुलिस अधिकारियों को इसे जरूर पढ़ना चाहिए।

दूसरे अधिकारी भी लिखें संस्मरण

कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलगुरु विजय



मनोहर तिवारी ने कहा कि 'यादों का सिलसिला' पुस्तक बड़े रोचक विवरणों से भरी हुई है।

इतनी अच्छी प्रस्तुति करना हर किसी के बस की बात नहीं। त्रिपाठी जी की तरह सभी अधिकारियों को अपने अनुभव को पुस्तक के रूप में संग्रहित करना चाहिए जो आने वाले अधिकारियों के लिए नसीहत बनें। विशेष अतिथि मनोज श्रीवास्तव ने पुस्तक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यादों का सिलसिला पुस्तक यादों के प्रभाव को कम नहीं करती, इसमें जीवन भर की यादें ऑटो बायोग्राफी के रूप में हैं। इसमें प्रदेश का बदलता

परिदृश्य भी समाहित किया गया है। इसके पूर्व न्यूज पोर्टल मीडियावाला के प्रधान संपादक सुरेश तिवारी ने इस अवसर पर पुस्तक में समाहित साहित्य के बारे में जानकारी दी। आरंभ में स्वागत वक्तव्य अजय श्रीवास्तव नीलू ने किया। कार्यक्रम का संचालन रामजी श्रीवास्तव ने किया तथा आभार प्रदर्शन महेंद्र जोशी ने किया। यह किताब न्यूज पोर्टल मीडियावाला के लिए लिखे गये कॉलम 'यादों का सिलसिला' का संकलन है। कार्यक्रम में अनेक पूर्व एवं वर्तमान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

न्याय और संवेदनाओं का समृद्ध संग्रह, पुलिस अधिकारी इसे अवश्य पढ़ें : डीजीपी

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

पूर्व पुलिस महानिदेशक नरेंद्र कुमार त्रिपाठी की संस्मरणात्मक पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का विमोचन विगत दिवस हुआ। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने पुस्तक को सरल, सहज और आत्मीय बताते हुए कहा कि इसमें न केवल घटनाओं का विवरण है, बल्कि उनके पीछे छिपी संवेदनाएं और अनुभव भी पाठक को गहराई से जोड़ते हैं। उन्होंने

कहा, इस पुस्तक में न्याय और प्रक्रिया के बीच का द्वंद देखने को मिलता है। पुलिस अधिकारियों को इसे अवश्य पढ़ना चाहिए। इस अवसर पर कई पूर्व और वर्तमान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। उन्होंने कहा त्रिपाठी जी की तरह सभी अधिकारियों को अपने अनुभवों को

पुस्तकों में दर्ज करना चाहिए, ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए नसीहत बनें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिंतक श्रीवास्तव ने कहा कि 'यादों का सिलसिला'



पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी की पुस्तक
यादों का सिलसिला का विमोचन

केवल आत्मकथा नहीं। यह पाठक को बीते समय के भावनात्मक और प्रशासनिक दोनों पक्षों से परिचित कराती है।

इसमें प्रदेश के बदलते परिदृश्य का सजीव चित्रण है। वरिष्ठ संपादक सुरेश तिवारी ने पुस्तक में समाहित साहित्यिक आयामों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन रामजी श्रीवास्तव ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन महेंद्र जोशी और स्वागत अजय श्रीवास्तव नीलू ने किया।

बुक लॉन्च

रिटायर्ड डीजीपी एनके त्रिपाठी की पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का पुलिस ऑफिसर्स मेस में विमोचन सरल, सहज और आत्मीय है 'यादों का सिलसिला': डीजीपी कैलाश मकवाना

रिपोर्टर • IamBhopal

Mobile no. 6266349352

'यादों का सिलसिला' किताब सरल, सहज और आत्मीय है। इसमें कई संस्मरण में संवेदनाएं भी समाहित हैं। पुलिस अधिकारियों को इसे जरूर पढ़ना चाहिए। यह बात पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने कही। वे पुलिस ऑफिसर्स मेस में रिटायर्ड डीजीपी एनके त्रिपाठी की पुस्तक 'यादों का सिलसिला' के विमोचन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि



एनके त्रिपाठी की यह पुस्तक बड़े रोचक विवरण से भरी हुई है। बिना किसी डायरी के अपनी यादों को बल पर इतनी अच्छी पुस्तक लिखना हर किसी के बस की बात नहीं। त्रिपाठीजी

की तरह सभी अधिकारियों को अपने अनुभव को पुस्तक के रूप में संग्रहित करना चाहिए, जो आने वाले लोगों को नसीहत बने। इससे नए ऑफिसर्स को भी सीखने को मिलेगा। लेखक एनके

त्रिपाठी ने कहा कि जीवन लौटकर नहीं आता, इसलिए संस्मरण मधुर होते हैं। इस अवसर पर कई सेवानिवृत्त एवं वर्तमान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

पुस्तक में प्रदेश का बदलता परिदृश्य भी किया समाहित

कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने पुस्तक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि 'यादों का सिलसिला' पुस्तक यादों के प्रभाव को कम नहीं करती, इसमें जीवन भर की यादें ऑटो बायोग्राफी के रूप में हैं। इसमें प्रदेश का बदलता परिदृश्य भी समाहित किया गया है। वही, वक्ता सुरेश तिवारी ने इस अवसर पर 'यादों का सिलसिला' पुस्तक में समाहित साहित्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में स्वागत अजय श्रीवास्तव नीलू ने किया। कार्यक्रम का संचालन रामजी श्रीवास्तव ने किया एवं अंत में आभार महेंद्र जोशी ने व्यक्त किया।

पोपल्स समाचार

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY'
'PEOPALS SAMACHAR' 14 OCTOBER. 2025

पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी की पुस्तक 'यादों का सिलसिला का विमोचन

भोपाल. पूर्व डीजीपी और लेखक एनके त्रिपाठी की संस्मरणात्मक पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का विमोचन सोमवार को हुआ। पुलिस ऑफिसर्स मेस में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। एनके



त्रिपाठी ने कहा कि पुस्तक विमोचन एक बहुत बड़ा पड़ाव होता है।

कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव सहित कई साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुरेश तिवारी ने पुस्तक की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डाला। संचालन रामजी श्रीवास्तव ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY'
'PATRIKA' 14 OCTOBER. 2025

सरल, सहज है यादों का सिलसिला : डीजीपी

पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी की पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का विमोचन

भोपाल, 13 अक्टूबर. पुलिस ऑफिसर्स मेस में गत दिवस पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी की पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का विमोचन करते हुए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि यादों का सिलसिला किताब सरल सहज और आत्मीय है. इसमें कई संस्मरण में संवेदनाएं भी समाहित हैं. न्याय और प्रक्रिया का द्वंद भी देखने को मिलता है. पुलिस अधिकारियों को इसे जरूर पढ़ना चाहिए.

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने पुस्तक पर टिप्पणी



करते हुए कहा कि यादों का सिलसिला पुस्तक यादों के प्रभाव को कम नहीं करती, इसमें जीवन भर की यादें ऑटो बायोग्राफी के रूप में हैं. माखनलाल चतुर्वेदी

विश्वविद्यालय के कुलगुरु तिवारी ने कहा कि यादों का सिलसिला पुस्तक बड़े रोचक विवरण से भरी हुई है. इतनी अच्छी प्रस्तुति करना हर किसी के बस की बात नहीं.

सरल, सहज और आत्मीय है यादों का सिलसिला : मकवाना

जीवन लौटकर नहीं आता, इसलिए संस्मरण मधुर होते हैं: त्रिपाठी



नईदुनिया, प्रतिनिधि, भोपाल: पुलिस ऑफिसर्स मेस में आयोजित समारोह में पूर्व डीजीपी एन.के. त्रिपाठी द्वारा लिखित पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का विमोचन पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने किया।

उन्होंने पुस्तक को सरल, सहज और आत्मीय बताते हुए कहा कि इसमें न्याय और प्रक्रिया का द्वंद, संवेदनात्मक संस्मरण और अनुभवों का गहन चित्रण है। यह पुस्तक पुलिस अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत हो सकती है। समारोह की अध्यक्षता माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि त्रिपाठी जी की प्रस्तुति रोचक और प्रभावशाली है, सभी अधिकारियों को अपने अनुभवों को संकलित करना चाहिए। मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिंतक और मुख्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि 'यादों का सिलसिला' आत्मकथा के रूप में

जीवनभर की स्मृतियों को समेटे हुए है, जिसमें प्रदेश का बदलता परिदृश्य भी दर्शाया गया है। इस अवसर पर अनेक पूर्व व वर्तमान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रामजी श्रीवास्तव ने किया, आभार महेंद्र जोशी और स्वागत अजय श्रीवास्तव नीलू ने किया।

इको फ्रेंडली दीपोत्सव मेला: छात्र

नईदुनिया, प्रतिनिधि, भोपाल: सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल में अर्न व्हाइल यू लर्न फ्लैगशिप प्रोग्राम के अंतर्गत दीपोत्सव - नूतन दीपावली मेला का आयोजन 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस मेले में लगभग 15 स्टॉल लगाए गए हैं। प्राचार्य डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने मेले का उद्घाटन करते हुए छात्राओं की सक्रिय

रिटायर डीजीपी एनके त्रिपाठी की पुस्तक यादों का सिलसिला विमोचित

पुलिस महानिदेशक मकवाणा बोले- मैं भी लिखूंगा किताब

मुख्य संवाददाता, भोपाल। सोमवार को ऑफिसर्स मेस में रिटायर डीजीपी एनके त्रिपाठी की पुस्तक यादों का सिलसिला का विमोचन हुआ। एमपी के रिटायर डीजीपी व आईपीएस अधिकारी त्रिपाठी ने इस किताब में अपनी पुलिस की नौकरी की शुरूआत से लेकर अपनी शादी, चुनौती भरे अभियानों, 22 विदेश यात्राओं के दिलचस्प किस्से लिखे हैं। विमोटन के बाद इस पुस्तक के संबंध में बोलते हुए डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि इस किताब को पढ़कर उन्हें भी फील्ड पोस्टिंग से लेकर घरेलू जिंदगी का 37 सालों का हर लम्हा फ्लैशबैक की तरह याद आ गया। डीजीपी ने इस दौरान दुग्र में बतौर ट्रेनी अपनी पोस्टिंग का किस्सा सुनाते हुए कहा कि अब वे भी अपने संस्मरणों पर एक किताब लिखेंगे। यादों का सिलसिला में त्रिपाठी



ने ट्रेनी आईपीएस से लेकर डीजीपी बनने तक के सफर के दौरान हुई घटनाओं को सिलसिलेवार ढंग से किस्सागोई अंदाज में लिखा है, जिसमें बाबरी ढाचा गिराने के दौरान हुए दंगों, सिख विरोधी दंगे, बैतूल में ग्वालियर में डकैत विरोधी अभियान से लेकर राजनेताओं और पुलिस के रिश्तों का भी जिक्र किया गया है। इस किताब में त्रिपाठी ने इंदौर में डीआईजी और आईजी के पद पर अपनी पदस्थापना के दौरान माधुरी दीक्षित के एक डांस प्रोग्राम का भी रोचक जिक्र है।

‘यादों का सिलसिला’ : पुलिस जीवन की संवेदनाओं और अनुभवों का खूबसूरत दस्तावेज

भोपाल। पुलिस अधिकारियों और प्रशासनिक गलियारों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक पुस्तक ‘यादों का सिलसिला’ का हाल ही में विमोचन हुआ। पुस्तक के लेखक पूर्व डीजीपी नरेंद्र कुमार (एन. के.) त्रिपाठी हैं। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि यह पुस्तक सरल, सहज और आत्मीय है। इसके संस्मरणों में न केवल पुलिस जीवन के अनुभव समाहित हैं, बल्कि न्याय और प्रक्रिया के द्वंद भी स्पष्ट रूप से दिखते हैं।

पुस्तक की समीक्षा- पूर्व डीजीपी एन. के. त्रिपाठी की यह रचना उनके जीवन के अमूल्य अनुभवों का संग्रह है। पुस्तक में उनके कैरियर के यादगार पल, संवेदनशील घटनाएं और प्रशासनिक निर्णयों के पीछे की सोच बारीकी से उजागर की गई है। पुस्तक न केवल अधिकारियों के लिए मार्गदर्शक है, बल्कि आम पाठक को भी प्रशासनिक जीवन और समाज की विविधताओं को समझने में मदद करती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय

के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। विशिष्ट अतिथि रहे वरिष्ठ चिंतक और चीफ इलेक्शन कमिशनर मनोज श्रीवास्तव। मनोज श्रीवास्तव ने पुस्तक की विशेषता बताते हुए कहा कि इसमें जीवन भर की यादें ऑटोबायोग्राफी के रूप में प्रस्तुत हैं और प्रदेश के बदलते सामाजिक और प्रशासनिक परिदृश्य का भी चित्रण है।

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि ‘यादों का सिलसिला’ पुस्तक बड़े रोचक विवरण से भरी हुई है और यह अन्य अधिकारियों के लिए अनुभव संग्रह करने का प्रेरक उदाहरण है। मीडियावाला के प्रधान संपादक सुरेश तिवारी ने पुस्तक में समाहित साहित्यिक पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन रामजी श्रीवास्तव ने किया। पुस्तक ‘यादों का सिलसिला’ पुलिस अधिकारियों के अनुभवों को भावनात्मक और वास्तविक रूप में पेश करने वाली रचनाओं में एक महत्वपूर्ण योगदान है और प्रशासनिक जीवन की जटिलताओं और संवेदनाओं को समझने का अवसर प्रदान करती है।

पुलिस ऑफिसर्स मेस में 'यादों का सिलसिला' का विमोचन

जीवन लौटकर नहीं आता, इसलिए संस्मरण मधुर होते हैं...

हरिभूमि न्यूज ११ गोपाल

पुलिस ऑफिसर्स मेस में, पूर्व डीजीपी नरेंद्र कुमार त्रिपाठी की पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का विमोचन सोमवार शाम किया गया। जहां पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि यादों का सिलसिला किताब सरल सहज और आत्मीय है। इसमें कई संस्मरण में संवेदनाएं भी समाहित हैं, साथ ही उन्होंने कहा कि इसमें न्याय और प्रक्रिया का द्वंद भी देखने को मिलता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता माखन लाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की एवं विशिष्ट अतिथि मनोज श्रीवास्तव थे। वहीं पूर्व एवं वर्तमान पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।



बड़े रोचक विवरण से भरी हुई है पुस्तक

चीफ इलेक्शन कमिश्नर एवं वरिष्ठ चिंतक मनोज श्रीवास्तव ने पुस्तक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यादों का सिलसिला



पुस्तक यादों के प्रभाव को कम नहीं करती। इसमें जीवन भर की यादें ऑटो बायोग्राफी के रूप में हैं। एमसीयू के कुलगुरु ने कहा कि यादों का सिलसिला पुस्तक बड़े रोचक विवरण से भरी हुई है।

त्रिपाठी जी की तरह सभी अधिकारियों को अपने अनुभव को पुस्तक के रूप में संवहित करना चाहिए। मीडियावाला के संपादक सुरेश तिवारी ने पुस्तक में समाहित साहित्य के बारे में जानकारी दी।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI' 14 OCTOBER.2025

DGP releases 'Yaadon Ka Silsila' penned by former DG Narendra Kumar Tripathi



DGP Kailash Makwana releases book "Yadon Ka Silsila" written by ex-DGP NK Tripathi on Monday. Former ACS Manoj Shrivastava, MCU VC Vijay Manohar Tiwari were also present

Our Staff Reporter

BHOPAL

Former Director General of Police Narendra Kumar Tripathi's book 'Yaadon Ka Silsila' was released at the Police Officers' Mess here on Monday.

Director General of Police (DGP) Kailash Makwana, who released the book, said that it was simple, easy and endearing. Many of its memoirs contained emotional sentiments. The conflict between justice and procedure

was also visible. "Police officers should definitely read it," Makwana said.

Vice chancellor of Mahanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication, Vijay Manohar Tiwari presided over the programme. "The book has fascinating details. Not everyone can come up with such a well-crafted presentation. Like Tripathi, all officials should compile their experience in a book that serves as a lesson for future generations," Tiwari said.

डीजीपी ने किया विमोचन, कहा-

सरल, सहज और आत्मीय है, 'यादों का सिलसिला'

भोपाल, देशबन्धु।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने गत दिवस पुलिस ऑफिसर्स मेस में पूर्व डीजीपी नरेंद्र कुमार (एन के) त्रिपाठी की पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने



कहा कि 'यादों का सिलसिला' किताब सरल सहज और आत्मीय है। इसमें कई संस्मरण में संवेदनाएं भी समाहित हैं। न्याय और प्रक्रिया का द्वंद भी देखने को मिलता है। पुलिस अधिकारियों को इसे जरूर पढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में मौजूद मुख्य चुनाव एवं वरिष्ठ चिंतक मनोज श्रीवास्तव ने पुस्तक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यादों का सिलसिला पुस्तक यादों के प्रभाव को कम नहीं करती, इसमें जीवन भर की यादें ऑटो बायोग्राफी के रूप में हैं। उन्होंने कहा कि इसमें प्रदेश का बदलता परिदृश्य भी समाहित किया गया है। कार्यक्रम की

अध्यक्षता करते हुए माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि यादों का सिलसिला पुस्तक बड़े रोचक विवरण से भरी हुई है। इतनी अच्छी प्रस्तुति करना हर किसी के बस की बात नहीं। त्रिपाठी जी की तरह सभी अधिकारियों को अपने अनुभव को पुस्तक के रूप में संग्रहित करना चाहिए जो आने वाले लोगों के लिए नसीहत बने। इस अवसर पर अनेक पूर्व एवं वर्तमान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रामजी श्रीवास्तव, आभार प्रदर्शन महेंद्र जोशी और स्वागत अजय श्रीवास्तव नीलू ने किया।